वर्णमाला

वर्णमाला का मतलब होता है अक्षरों की माला, जिस प्रकार माला मोतियों से गुथी हुई होती है उसी प्रकार वर्णमाला विभिन्न प्रकार के अक्षरों से गुथी हुई है, वर्णमाला में कुल 52 अक्षर होते हैं जिसमे कुछ स्वर तथा कुछ व्यंजन होते हैं|

स्वर - स्वर वह ध्वनि है जिसको किसी अन्य की सहायता के बिना बोला जा सकता है |

अ आ इ ई उ ऊ ऋ **ॠ** लृ ॡ ए ऐ ओ औ - **14**

पहले के स्वर 14 थे जिसमे से 3 को अभी निकाल दिया गया है और अभी वर्तमान स्वर केवल 11 हैं

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ - **11**

स्वरों का वर्गीकरण

1. जिह्वा की ऊंचाई के आधार पर स्वर को चार भाग में विभाजित किया गया है -
   a. विवृत - आ
   b. अर्द्ध विवृत - ऐ, औ
   c. संवृत - इ, ई, उ, ऊ
   d. अर्धसंवृत - ए, ओ

2. जिह्वा के उत्थापित भाग के आधार पर स्वर को तीन भाग में विभाजित किया गया है -

a. अग्र स्वर - इ, ई, ए, ऐ

b. पश्च स्वर - आ, उ, ऊ, ओ, औ

c. मध्य स्वर – अ

3. ओष्ठ की स्थिति के आधार पर स्वर को तीन भाग में विभाजित किया गया है –

a. प्रसृत (सहज) या अवर्तुल - इ, ई, ए, ऐ

b. वर्तुल - उ, ऊ, ओ, औ

c. अर्धवर्तुल - आ

4. पेशियों के तनाव के आधार पर स्वर को दो भाग में विभाजित किया गया है –

a. शिथिल - अ, इ, उ

b. कठोर - आ, ई, ऊ

5. मात्रा के आधार पर स्वर को दो भाग में विभाजित किया गया है –

a. ह्रस्व स्वर - अ, इ, उ, ए, ओ

b. दीर्घ स्वर - आ, ई, ऊ, ऐ, ओ

6. स्थान के आधार पर स्वर को छः भागों में विभाजित किया गया है –

a. कण्ठय - अ

OBLYPREPS

b. तालव्य - इ

c. मूर्धन्य - ऋ

d. ओष्ठय - उ, ऊ

e. कंठोयोष्ठय - ओ, औ

f. कण्ठय, तालव्य - ए, ऐ

स्वर -

ह्रस्व स्वर - एक मात्रिक - इस प्रकार के स्वरों को बोलने में एक मात्रा का समय लगता है इसलिए इसे एक मात्रिक कहते हैं

दीर्घस्वर – द्विमात्रिक - दीर्घस्वर का उच्चारण करने में 2 मात्रा का समय लगता है

प्लुत स्वर – त्रिमात्रिक -त्रिमात्रिक स्वर में 3 मात्रा का समय लगता है ज्यादातर, रोने, गाने, चिल्लाने और बुलाने में इसका प्रयोग होता है

Visit on:-https://youtu.be/_ZiXtFieK6A

वर्णमाला#स्वरों का वर्गीकरण

OBLYPREPS

Sharing Is Caring
If you found it useful, don't forget to share your friends.

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"